गौ विज्ञान परीक्षा 2025

राज्यस्तर पर

प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
51,000/- नगद एवं गौ उत्पाद किट	31,000/- नगद एवं गौ उत्पाद किट	11,000/- नगद एवं गौ उत्पाद किट

जिलास्तर पर

तृतीय पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	प्रथम पुरस्कार
1100/- नगद एवं गौ उत्पाद किट	2100/- नगद एवं गौ उत्पाद किट	3100/- नगद एवं गौ उत्पाद किट

विद्यालय / महाविद्यालय स्तर पर
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान
प्राप्त करने वालो को आकर्षक पुरस्कार

सभी प्रतिभागियों को "गौ विज्ञान ग्रंथ एवं प्रमाण पत्र" दिया जाएगा।

परीक्षा दिनांक

04-11-2025

दिन-मंगलवार

- स्थान -
स्वयं का विद्यालय या महाविद्यालय

परीक्षा तीन ग्रुप मे होगी

- Group A - कक्षा 6 से 8
- Group B - कक्षा 9 से 12
- Group C - महाविद्यालय स्तर

पंजीयन

1 अगस्त से प्रारंभ
अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2025

पुरस्कार सभी श्रेणी में अलग अलग दिए जाएंगे।

पंजीयन हेतु अपने विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के गौ विज्ञान परीक्षा प्रभारी से संपर्क करें

आयोजक - छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति
जागृति मण्डल, गुरू गोविंद सिंह नगर, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल : gausevacg@gmail.com website - www.gausevacg.org

श्री सुरभ्यै नमः

पंजीयन क्रं. - 122202431798

छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति

जागृति मण्डल, गुरू गोविंद सिंह नगर, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल : gausevacg@gmail.com

दिनांक 01-08-2025

सम्माननीय प्राचार्य संस्था प्रमुख/,

सादर अभिवादन

गौवंश न सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है अपितु उसका पर्याप्त वैज्ञानिक आधार भी है। हमारे स्वस्थ एवं सुखमय जीवन के लिए गौवंश अत्यंत आवश्यक है।यदि गोवंश नहीं रहेगा तो सृष्टि भी समाप्त हो जाएगी। गौवंश का हमारे जीवन में महत्व ना जान पाने के कारण समाज गौसेवा एवं गौपालन से विमुख हो रहा है जिसके कारण गौवंश सड़कों पर आ गया है । प्रतिदिन दुर्घटनाएं घट रही है जिसमें गौवंश के साथ साथ- इंसानों की भी क्षति हो रही है।दिनों दिन यह समस्या विकराल रूप लेती जा रही है और समाज अपने दायित्व से विमुख होकर सिर्फ सरकार की ओर ताक रहा है।

इस समस्या का मूल कारण समाज में गौवंश के संबंध में अज्ञानता ही है। जिस दिन लोग गौवंश का वास्तविक महत्व जान जाएंगे उसी दिन से गोवंश सड़कों से पुनः घरों की ओर लौट जाएगी। गौवंश का हमारे जीवन में महत्व , सृष्टि के पारिस्थितिक तंत्र हेतु महत्व , ग्लोबल वार्मिंग रोकने व्यापक महत्व सहित उसके पंचगव्य का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं सभी को उसका दायित्व बोध कराने हमारी संस्था द्वारा गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाता है। विगत वर्ष भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें आप सभी का भरपूर सहयोग हमें प्राप्त हुआ। इस वर्ष पुनः आगामी 04 नवंबर 2025 को यह परीक्षा पूरे प्रदेश में एक साथ आयोजित की जाएगी। गौवंश की चिंता सरकार के साथ साथ समाज को भी करने की आवश्यकता है और-यह हम सब का नैतिक दायित्व है। इस पुनीत कार्य हेतु हम आपके पूर्ण सहयोग सहित संपूर्ण समर्पण की प्रार्थना करते हैं....

सुबोध राठी
प्रदेश अध्यक्ष

गौ विज्ञान परीक्षा 2025 संबंधी आवश्यक निर्देश

नियमावली

1. परीक्षा तीन श्रेणी में होगी — श्रेणी **A** – कक्षा 6 से 8 तक
   श्रेणी **B** – कक्षा 9 से 12 तक
   श्रेणी **C** – महाविद्यालय स्तर
2. सभी श्रेणी के परीक्षार्थियों को पृथक–पृथक पुरस्कार दिया जायेगा।

प्रांत स्तर पर –	प्रथम –	51,000 नगद एवं गौ उत्पाद किट	
	द्वितीय –	31,000 नगद एवं गौ उत्पाद किट	
	तृतीय –	11,000 नगद एवं गौ उत्पाद किट	
जिला स्तर पर –	प्रथम –	3100 नगद एवं गौ उत्पाद किट	
	द्वितीय –	2100 नगद एवं गौ उत्पाद किट	
	तृतीय –	1100 नगद एवं गौ उत्पाद किट	

   विद्यालय/महाविद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा।
3. एक ही पुरस्कार के लिये 2 या अधिक विजेता के चयनित होने पर पुरस्कार की राशी को बराबर बांट दी जाएगी।
4. सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा।
5. परीक्षा दो चरणों में होगी। प्रथम चरण की परीक्षा 04 नवंबर मंगलवार को संबंधित विद्यालय/महाविद्यालय में ही होगी। परीक्षा का समय दोपहर 01:00 से 2:30 बजे रहेगा। परीक्षार्थी को आधा घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र आना आवश्यक है। विद्यालय/महाविद्यालय के प्राचार्य ही केन्द्राध्यक्ष रहेंगे। किसी एक ग्रुप में न्यूनतम 50 परीक्षार्थी होने पर ही संस्था को परीक्षा केन्द्र माना जाएगा। कम संख्या में पंजीयन होने पर परीक्षा तो संबंधित विद्यालय में ही होगी मगर पुरस्कार हेतु तीन बच्चों का चयन होने के स्थान पर संख्यानुसार पात्रता होगी। यथा 25 से कम होने पर संस्था स्तर पर सिर्फ प्रथम पुरस्कार ही देय होगा, उसी प्रकार 25 से 49 की संख्या होने पर प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार ही दिया जाएगा तथा इसी अनुसार चयनित बच्चे द्वितीय चरण की परीक्षा में भाग लेने पात्र होंगे।
6. केन्द्र के गौ विज्ञान परीक्षा प्रभारी ही अन्य शिक्षक–शिक्षिकाओं से सहयोग लेकर उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करेंगे तथा 10 नवंबर तक परीक्षा परिणाम की घोषणा कर प्रत्येक

श्रेणी के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त परीक्षार्थी की सूचि द्वितीय चरण की परीक्षा के लिये जिला परीक्षा प्रमुख को प्रेषित करेंगे एवं **Online Portal** में अपलोड करेंगे।

7. द्वितीय चरण की परीक्षा सिर्फ प्रथम चरण की परीक्षा में चयनित परीक्षार्थियों की ही होगी। परीक्षा जिला केन्द्र में होगी। संभावित परीक्षा तिथि 16 नवंबर से 30 नवंबर के मध्य हो सकती है। इसकी सूचना जिला परीक्षा प्रमुख सभी को प्रदान करेंगे।
8. द्वितीय चरण की परीक्षा का समय प्रातः 9 से 11 बजे तक रहेगा। परीक्षार्थी आधा घंटा पूर्व परीक्षा स्थल पहुँच जाए। 11:00 से 12:30 तक सभी के लिये भोजन रहेगा पश्चात 1 बजे से 4 बजे तक गौ सेवा संगम का कार्यक्रम आयोजित होगा। परीक्षार्थी को पूरे समय कार्यक्रम में रहना है। इसी दिन जिला स्तरीय विजेताओं के पुरस्कार एवं महाविद्यालय/विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया जावेगा। परीक्षार्थी अपने पालक अथवा शिक्षक के साथ आए। सभी के लिए भोजन व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम की विस्तृत सूचना पृथक से दी जाएगी।
9. प्रदेश स्तर की परीक्षा एवं प्रदेश स्तरीय पुरस्कार वितरण रायपुर में 11 जनवरी 2026 को आयोजित गौ सेवा संगम के कार्यक्रम में होगा। विस्तृत सूचना पृथक से दी जाएगी।
10. सभी परीक्षार्थियों को अध्ययन हेतु ***गौ विज्ञान ग्रन्थ*** प्रदान किया जाएगा। जिसका वितरण 15 अगस्त से प्रारंभ होगा।
11. परीक्षा हेतु सभी परीक्षार्थियों से निम्नानुसार गौ सेवा सहयोग राशी लेना है–

Group A	– कक्षा 6 से 8	–	50/–
Group B	– कक्षा 9 से 12	–	70/–
Group C	– महाविद्यालय स्तर	–	100/–

12. संस्था सम्पूर्ण पंजीयन राशी एकत्र कर उस राशी को आयोजन समिति के खाते में **Online RTGS** के माध्यम से भेजना सुनिश्चित करेंगे साथ ही **E-receipt** भी अवश्य प्राप्त करेंगे। राशी प्राप्त होने के बाद ही उतनी संख्या में गौ विज्ञान ग्रन्थ भेजा जाएगा।
13. गौ विज्ञान परीक्षा में सहभागी सभी संस्था को स्मृति चिन्ह एवं सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।
14. सभी संस्था के गौ विज्ञान परीक्षा प्रभारी शिक्षक/शिक्षिका को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

15. सभी विद्यार्थी अपने–अपने घरों में किचन गार्डन का निर्माण करे इस हेतु बच्चों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें।

16. परीक्षा में प्रतिभागी समस्त विद्यार्थियों को किचन गार्डन का भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है तथा उन्हे अपने घर में किचन गार्डन निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया जाना है। जिन प्रतिभागियों द्वारा अपने घर में किचन गार्डन का निर्माण किया जाता है उन्हे प्रथम चरण की परीक्षा में अधिकतम 7 (शून्य से 7 तक) बोनस अंक प्रदान करना है।

17. दो पत्र गौमाता के नाम – परीक्षा में सहभागी सभी परिक्षार्थियों को गौमाता के संरक्षण हेतु सरकार से अपेक्षा इस विषय पर अपने विचार पोस्टकार्ड में लिखकर सरकार को भेजना है। एक पोस्ट कार्ड माननीय प्रधानमंत्री जी को एवं एक पोस्ट कार्ड माननीय मुख्यमंत्री जी को लिखना है। गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिये बच्चो की उनसे क्या अपेक्षा है ऐसा अपना विचार लिखकर 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के मध्य डाकघर के माध्यम से पोस्ट करना है। उसका फोटो खींचकर अपनी संस्था के गौ विज्ञान परीक्षा प्रभारी को भेजना है। इसमें भी बच्चो को अधिकतम 3 बोनस अंक (शून्य से 3 तक) प्रदान करना है। (सिर्फ प्रथम चरण में)

18. किचन गार्डन एवं दो पत्र गौमाता के नाम का आंकलन संस्था के गौ विज्ञान परीक्षा प्रभारी ही करेंगे। जो बच्चे इसमें सहभागी नही होंगे उन्हे कोई बोनस अंक प्रदान नही किया जाय।

19. सभी संस्थाओं के लिये विशेष प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जो संस्था अपने छत या बाड़ी में किचन गार्डन का निर्माण करती है, उनके मध्य प्रतियोगिता आयोजित कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली संस्था को जिला स्तर पर आकर्षक स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

20. ऐसी संस्था के किचन गार्डन का निरीक्षण 1 दिसंबर से 31 दिसंबर के मध्य जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

21. आपकी संस्था में अध्ययनरत बच्चे गौ सेवा दल का निर्माण करें एवं उनके माध्यम से कोई गोवंश सड़क पर न रहे, घायल गोवंश की सेवा कर सकें इस प्रकार का प्रयास हो। **NCC/NSS/** स्काउट गाईड के बच्चो को विशेष रूप से जोड़ा जाना चाहिये। जिन संस्थाओं में इस प्रकार के दल का गठन होगा उसकी सम्पूर्ण जानकारी जला गौ विज्ञान परीक्षा प्रमुख को प्रदान करें। ऐसे संस्था एवं गौसेवा दल के बच्चो का जिला स्तरीय कार्यक्रम में विशेष अभिनंदन किया जाएगा।

22. संस्था की वेबसाइट **www.gausevacg.org** है। ये 1 अगस्त से कार्यशील होगी। सभी बच्चो का पंजीयन विवरण, रिजल्ट आदि की एंट्री इसी में होगी तथा शुल्क भी इसी के माध्यम से जमा होगा। **Online** एंट्री सिर्फ संस्था के गौ विज्ञान परीक्षा प्रभारी ही कर सकेंगे। विद्यार्थी स्वयं से इसमें कोई एंट्री नही कर सकेंगे। वेबसाइट से संबंधित अन्य विवरण बाद में पृथक से प्रदान किया जावेगा।
23. किन्ही विशेष परिस्थितियों में तिथियों में परिवर्तन हो सकता है जिसकी विधिवत सूचना आपको समय पूर्व दी जाएगी।
24. वेबसाइट के माध्यम से सदैव आवश्यक सूचना आपको प्रदान की जाती रहेगी अतः वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें।
25. किसी भी प्रकार के वाद विवाद होने की स्थिति में परीक्षा आयोजन समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

———00———

सम्पूर्ण परीक्षा कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा।

विद्यार्थी पंजीयन	– 01 अगस्त 2025 से 10 अक्टूबर 2025 तक
सम्पूर्ण पंजीयन की जानकारी एवं शुल्क **Online** भेजना	– 16 अक्टूबर 2025 तक
विद्यार्थियों को गौ विज्ञान ग्रन्थ का वितरण	– 15 अगस्त 2025 से प्रारंभ हो जाएगा। जैसे पंजीयन राशी प्राप्त होगी उसके एक सप्ताह के अंदर ग्रन्थ उपलब्ध करा दिया जाएगा।
प्रथम चरण की परीक्षा	– 4 नवंबर 2025 (मंगलवार) स्वयं के विद्यालय/महाविद्यालय में ही संपन्न होगी।
प्रथम चरण के परीक्षा परिणाम की घोषणा एवं सूचि जिला प्रमुख को देना तथा पोर्टल में अपलोड करना	– 10 नवंबर 2025 तक
द्वितीय चरण की परीक्षा, पुरस्कार वितरण एवं गौ सेवा संगम	– 16 नवंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 के मध्य किसी कोई भी दिवस को आपके जिला केन्द्र के किसी स्थान पर। समय सुबह 9 से सायं 4 बजे तक
प्रदेश स्तरीय परीक्षा पुरस्कार वितरण एवं प्रांत स्तरीय गौ सेवा संगम	– 11 जनवरी 2026 रायपुर में होगा स्थान आदि बाद में सूचित किया जाएगा।

विशेष आग्रह –

प्रत्येक विद्यालय एवं महाविद्यालय अपने संस्थान में एक दिन 2 घंटे का *गाय धर्म और विज्ञान* विषय पर बच्चो के लिये व्याख्यानमाला का आयोजन अवश्य करे। वक्ता के लिये स्थानीय गौसेवकों, साधु संतों से आप संपर्क कर सकते हैं। हमारी जिला समिति से भी बात कर सकते है। आपके सहयोग से ही गाय का विषय घर–घर तक जा सकता है तथा गायों का उचित संरक्षण एवं संवर्धन हो सकता है।

गौ विज्ञान परीक्षा, छत्तीसगढ प्रांत

विद्यालय/महाविद्यालय का नाम ....

क्र	परीक्षार्थी का नाम	पिता का नाम	कक्षा	मोबाइल नं.	ग्रुप A/B/C
1					
2					
3					
4					
5					
6					
7					
8					
9					
10					
11					
12					
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
21					
22					
23					
24					
25					

क्र	परीक्षार्थी का नाम	पिता का नाम	कक्षा	मोबाइल नं.	ग्रुप A/B/C

गो-सेवा के साथ घर-घर किचन गार्डन निर्माण पर भी दिया जा रहा है विशेष जोर

गो-विज्ञान परीक्षा अभियान का सीएम ने किया शुभारंभ

रायपुर@पत्रिका. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को अपने निवास कार्यालय में राज्य गो-संरक्षण एवं संवर्धन समिति के गो-विज्ञान परीक्षा अभियान 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के पोस्टर का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गो-सेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो न केवल आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष समिति द्वारा चलाए जा रहे अभियान में गो-सेवा के साथ-साथ घर-घर किचन गार्डन निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है, जो जनस्वास्थ्य सुधार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध राठी ने मुख्यमंत्री को अभियान की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा आगामी 4 नवम्बर 2025 को प्रदेशभर में गो-विज्ञान परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का उद्देश्य जनसामान्य में गो-वंश के महत्व, पारिस्थितिक तंत्र में उसकी भूमिका, ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम में योगदान तथा पंचगव्य के वैज्ञानिक पक्षों के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है।